Integrated missile Development programme

862. SHRI KAPIL VERMA:
SHRIMATI VEENA VERMA:
SHRI SURESH KALMADI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government propose to upgrade, strengthen and expedite Integrated Missile Development Programme in view of the emergence of a "missile force" on the global scene with missiles as the major weapon system used in the Gulf War;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether surface to air missile "AKASH" would be brought on par with "Patriot" missile produced by USA; and

(d) whether the work is starting on "reusable missile" systems?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI LALIT VIJAY SINGH): (a) No, Sir. The missiles being developed under Integrated Guided Missile Development Programme are based on state-of-the art technologies and are comparable with the contemporary missile systems. The indigenous missiles are expected to be available to our Services in the required time frame.

(b) Does not arise.

(c) When fully developed, AKASH may be at purt with the PATRIOT.

(d) No, Sir. This is a futuristic concept on which preliminary studies have been carried out.

दूरदर्शन के लिए विदेशों से समाचार प्राप्त करने हेतु अभिकरण

869. श्रीमती वीणा वर्मा :
श्री प्रभाकर वी० कोरे :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत का अपना ऐसा कोई अभिकरण नहीं है, जो विदेशों से दूरदर्शन के लिए बड़े पैमाने पर समाचार जुटा सके; और यदि हां तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ख) यदि नहीं तो दूरदर्शन के पास विदेशों से समाचार प्राप्त करने के क्या स्रोत हैं ;

(ग) क्या यह सच है कि एक अमरीकी अभिकरण, केबिल न्यूज-नेटवर्क (सी०एन एन) ने पिछले महीने से भारत में अपनी चौबीस घंटे की सेवा शुरू कर दी है; और

(घ) भारत में उक्त केबिल न्यूज नेटवर्क कब शुरू किया गया था ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) :(क) जी हां ।

(ख) दूरदर्शन अन्तर्राष्ट्रीय समाचार एजेंसियों अर्थात विस-न्यूज लंदन और एशिया विजन कवालालम्पुर का अभिदाता सदस्य (सब्सक्राईबिंग मैम्बर) है और इन एजेंसियों द्वारा प्रदान की गई सामग्री का अपने समाचार बुलेटिनों में उपयोग करता है । इसके अलावा दूरदर्शन द्वारा यू०एन०आई० पी०टी०आई० और आकाशवाणी के विदेशों में स्थित संवाददाताओं से प्राप्त समाचार कहानियों का भी उपयोग किया जाता है ।

(ग) और (घ) सी०एन०एन० के सिग्नल जो "ईटर स्पूतनिक" उपग्रह के माध्यम से हिन्द समाचार क्षेत्र के ऊपर से प्रेषित किये जा रहे हैं, समूचे भारत में उपलब्ध हैं । मौजूदा अनुदेशों के अनुसार किसी उपग्रह से सीधे टी०वी० सिग्नल प्राप्त करने के लिये डिश एंटीना की स्थापना केवल संचार मंत्रालय से लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही की जा सकती है । इस तरह स्थापित सुविधा का इस्तेमाल केवल भारतीय उपग्रह टी० वी० सिग्नल प्राप्त करने के लिये उपेक्षित है ।